B.Ed – 1st Year Nakul Sah
Gender, School and Society Assistant Professor
Course- 6

Hidden Curriculam
छुपी हुई पाठ्यचर्या

छुपी हुई पाठ्यचर्या , वह शैक्षिक व्यवहार, मानक व नियम है जो लिखित नहीं होते हैं या अलिखित है परन्तु उनका पालन शैक्षिक सस्थाओं द्वारा बहुत ही निष्ठा के साथ किया जाता है। इनका थोड़ा भी उल्लघंन जबरदस्त प्रतिक्रिया उत्पन्न करता हैं। अलिखित होने के बावजूद विद्यालय के सभी हितधारक (शिक्षक/प्रबंधक) इसके बारे में सचेत होते हैं। दूसरे शब्दो में हम कह सकते हैं कि छुपी हुई पाठ्यचर्या का लिखित स्वरूप नहीं होता लेकिन यह पाठ्यक्रम का वह स्वरूप है, जिसके तहत स्कूली तंत्र एवं समाज के द्वारा मान्यता मूल्य एवं सचूनाएँ बच्चों को प्रभावित करती हैं। रोजमर्रा के विद्यालयी जीवन में औरतपन व मर्दपन को गढ़ने वाले विद्यालय के अंदर होने वाले व्यवहारों के प्रतिरूप लैंगिकता के छुपे पाठ्यक्रम के लिए पृष्ठभूमि का कार्य करते हैं। ये प्रतिरूप एक तरह के लैंगिक नियम–कायदे गढ़ते हैं।

विद्यालयों में बच्चे लैंगिकता के बारे में कैसे सीखते हैं। इसको विद्यालय के सदंर्भ में व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर समझने का

NAKUL SAH

प्रयास किया गया है। यद्यपि प्राथमिक स्तर पर विद्यालय सहशिक्षा प्रदान करते हैं परन्तु अधिकांश विद्यालय में लडके़ एवं लड़कियों हेतु बैठने की व्यवस्था अलग होती है। लड़के एवं लड़कियां को अलग–अलग बैठाया जाता है। शुरुआती कक्षाओं में यह अध्यापकों द्वारा सचेत रूप से लागू की जाती है। और बाद की कक्षाओं में विद्यार्थी स्वयं इस मानक का अनुकरण करने लगते हैं। कक्षा में बैठने के अलावा प्रार्थना सभा में भी लडके़ और लड़कियाँ अलग–अलग पंक्तियों में खड़े होते हैं या फिर लडकियाँ आगे व लडके़ उनके पीछे खड़े होते हैं। अतः सामान्य तौर पर प्रार्थना कराने की जिम्मेदारी लड़कियों की ही होती है।

★★★★★

NAKUL SAH